License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

तीतुस - परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

तीतुस की पुस्तक की रूपरेखा

1. पौलुस तीतुस को धार्मिक अगुवों की नियुक्ति के लिए निर्देश देते हैं। (1:1–16)
2. पौलुस तीतुस को निर्देश देते हैं कि वह लोगों को धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रशिक्षित करें। (2:1–3:11)
3. पौलुस अपनी कुछ योजनाओं को साझा करते हुए और विभिन्न विश्वासियों को अभिवादन भेजते हुए अपने संदेश का समापन करते हैं। (3:12–15)

तीतुस की पुस्तक किसने लिखी थी?

पौलुस ने तीतुस की पुस्तक लिखी थी। पौलुस तरसुस नगर से थे। अपने प्रारंभिक जीवन में उन्हें शाऊल के नाम से जाना जाता था। विश्वासी बनने से पहले, पौलुस एक फरीसी थे। वह विश्वासियों को सताते थे। विश्वासी बनने के बाद, उन्होंने यीशु के बारे में लोगों को बताने के लिए पुरे रोमी साम्राज्य में कई बार यात्राएँ करीं।

तीतुस की पुस्तक किस विषय में है?

पौलुस ने यह पत्र तीतुस को लिखा, जो उनके सहकर्मी थे और क्रेते द्वीप पर कलीसियाओं की अगुवाई कर रहे थे। पौलुस ने उन्हें कलीसिया के अगुवों के चयन के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वासियों को एक-दूसरे के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने सभी को परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस पुस्तक के शीर्षक का अनुवाद कैसे किया जाना चाहिए?

अनुवादक इस पुस्तक को इसके पारंपरिक शीर्षक, "तीतुस" के नाम से पुकार सकते हैं। या वे एक स्पष्ट शीर्षक चुन सकते हैं, जैसे "तीतुस के लिए पौलुस का पत्र" या "तीतुस के लिए पत्र"। (देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें)

भाग 2: महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

लोग कलीसिया के भीतर किन-किन भूमिकाओं में सेवा कर सकते हैं?

कलीसिया के भीतर अगुवाई की भूमिकाओं में सेवा करने के बारे में तीतुस की पुस्तक में कुछ शिक्षाएं हैं कि एक स्त्री या तलाकशुदा पुरुष सेवा कर सकते हैं या नहीं। विद्वानों के बीच इन शिक्षाओं के अर्थ को लेकर असहमति है। इस पुस्तक का अनुवाद करने से पहले इन मुद्दों पर और अधिक अध्ययन आवश्यक हो सकता है।

भाग 3: महत्वपूर्ण अनुवाद सम्बंधी मुद्दे

एकवचन और बहुवचन तुम

इस पुस्तक में, **मैं** शब्द पौलुस को संदर्भित करता है। साथ ही, **तुम** शब्द लगभग हमेशा एकवचन होता है और तीतुस को संदर्भित करता है। इसका अपवाद 3:15 है। (देखें 'तुम' के रूप — एकवचन)

परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता का क्या अर्थ है?

यह इस पत्र में एक सामान्य वाक्यांश है। पौलुस पाठकों को यह सोचने पर मजबूर करना चाहते थे कि परमेश्वर ने मसीह में उनके विरुद्ध किए गए पापों को क्षमा कैसे किया, और उन्हें क्षमा करके उन्हें उस समय दण्ड से बचाया जब वह सब लोगों का न्याय करेंगे। इस पत्र में एक समान वाक्यांश है **हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह।**

तीतुस - अध्याय 1 परिचय

संरचना और संरूपण

पौलुस औपचारिक रूप से इस पत्र का परिचय पद 1–4 में देते हैं। लेखक अक्सर प्राचीन पश्चिमी एशिया में इस प्रकार से पत्र शुरू करते थे।

पद 6–9 में, पौलुस कई गुणों की सूची देते हैं जो एक व्यक्ति में होने चाहिए यदि वे कलीसिया में एक प्राचीन बनना चाहते हैं। (देखें: भाववाचक संज्ञाएँ) पौलुस 1 तीमुथियुस 3 में एक समान सूची देते हैं।

इस अध्याय की प्रमुख अवधारणाएँ

प्राचीन

कलीसिया ने अपने अगुवों के लिए विभिन्न शीर्षक उपयोग किए हैं। कुछ शीर्षकों में अध्यक्ष, प्राचीन, शिक्षक और रखवाला जैसे शब्द शामिल हैं।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद कठिनाइयाँ

चाहिए, हो सकता है, अवश्य

यू.एल.टी. विभिन्न शब्दों का उपयोग करता है जो आवश्यकताओं या दायित्वों को इंगित करते हैं। इन क्रियाओं के साथ जोर के विभिन्न स्तर जुड़े हुए हैं। सूक्ष्म अंतर का अनुवाद करना कठिन हो सकता है। यू.एस.टी इन क्रियाओं का अनुवाद अधिक सामान्य तरीके से करता है।

तीतुस 1:1 (#1)

"के" - "विश्वास करने" - "लिए"

विश्वास को मजबूत करने के लिए

तीतुस 1:1 (#2)

"परमेश्वर के चुने हुए लोगों के"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जिन लोगों को चुनता है, उनके विश्वास"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 1:1 (#3)

"और सच्चाई का ज्ञान"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी सच्चाई का ज्ञान" या "और ताकि परमेश्वर के चुने हुए लोग सच्चाई को जान सकें"

देखें: पदलोप

तीतुस 1:1 (#3)

"भक्ति के"

जो परमेश्वर को आदर देने के लिए उपयुक्त हो

तीतुस 1:2 (#1)

"उस अनन्त जीवन आशा पर"

जो हमें अनन्त जीवन की आशा देती है या _ **अनन्त जीवन की हमारी निश्चित आशा पर आधारित है**_

तीतुस 1:2 (#2)

"उस अनन्त जीवन की आशा पर"

यदि आपकी भाषा में **आशा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस अनन्त जीवन की आशा निश्चयपूर्वक करने के लिए प्रेरित करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 1:2 (#3)

"परमेश्वर ने जो झूठ बोल नहीं सकता"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक के बदले यहाँ एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो पूरी तरह विश्वासयोग्य है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

तीतुस 1:2 (#2)

"सनातन से की है"

_ सनातन से _

तीतुस 1:3 (#1)

"ठीक समय पर अपने"

_ ठीक समय पर _

तीतुस 1:3 (#2)

"वचन को" - "के द्वारा प्रगट किया"

पौलूस परमेश्वर के वचन के विषय इस प्रकार बात करता है जैसे कि वह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे लोगों को दृश्य रूप में दिखाया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने मुझे उसका सन्देश समझने के लिए प्रेरित किया”

देखें: रूपक

तीतुस 1:3 (#3)

"प्रचार के द्वारा"

_ उस प्रचार के द्वारा प्रगट किया गया_

तीतुस 1:3 (#4)

"उस" - "जो हमारे" - "सौंपा गया"

"इसे एक सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने मुझे सौंपा"" या ""उसने मुझे प्रचार करने की ज़िम्मेदारी दी""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 1:3 (#6)

"मुझे"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 1:4 (#1)

"मेरा सच्चा पुत्र है"

यद्यपि तीतुस पौलूस का जैविक **पुत्र** नहीं था, तो भी वे मसीह में एक ही विश्वास के हिस्सेदार थे। पौलूस विश्वास के द्वारा मसीह के संबंध को जैविक संबंध से अधिक महत्वपूर्ण मानता है। उनके समान्य उम्र के और मसीह में विश्वास की सहभागिता` के कारण पौलूस तीतुस को अपना पुत्र समझता है, यह भी हो सकता है कि पौलूस ने तीतुस को मसीह में विश्वास करने के लिए प्रेरित किया, और इसलिए इस आत्मिक अर्थ में तीतुस एक पुत्र की तरह है। वैकल्पिक अनुवाद: “तू मेरे लिए एक पुत्र के समान है”

देखें: रूपक

तीतुस 1:4 (#2)

"जो विश्वास की सहभागिता"

पौलुस और तीतुस दोनों ही मसीह में समान विश्वास के सहभागी हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि हम दोनों मसीह में विश्वास करते है ”

तीतुस 1:4 (#3)

"अनुग्रह और शान्ति"

यह एक सामान्य अभिवादन था जिसका पौलूस ने उपयोग किया। आप समझी गई जानकारी को स्पष्ट बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अपने अन्दर अनुग्रह और शान्ति का अनुभव करें”

देखें: विराम बिंदु

तीतुस 1:4 (#4)

"परमेश्वर पिता और हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु की ओर से तुझे अनुग्रह और शान्ति होती रहे"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** और **शान्ति** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पिता और हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु तुझ पर अनुग्रह करें और तुझको एक शान्तिपूर्ण आत्मा दे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 1:4 (#4)

"हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु"

_मसीह यीशु जो हमारा उद्धारकर्ता है _

तीतुस 1:4 (#5)

"हमारे"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 1:5 (#1)

"इसलिए"

"जोड़ने वाला वाक्यांश ** इसलिए ** उस लक्ष्य का परिचय देता है जिसे पौलूस ने पूरा करना चाहा था जब उसने तीतुस को (कलीसिया में प्राचीनों को नियुक्त करने के लिए) क्रेते में छोड़ दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह कारण है""

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

तीतुस 1:5 (#2)

"मैं" - **"तुझे क्रेते में छोड़ आया था"**

मैंने तुझे क्रेते में रुके रहने के लिए कहा था

तीतुस 1:5 (#3)

"कि" - **"शेष रही हुई बातों को सुधारें"**

_ कि तू शेष रही हुई बातों को सुधारें,

तीतुस 1:5 (#4)

"प्राचीनों को नियुक्त करे"

प्राचीनों को नियुक्त करना या ***"प्राचीन निर्दिष्ट करना"***

तीतुस 1:6 (#2)

"जो निर्दोष और" - **"हों"**

"यह एक प्राचीन के चरित्र के वर्णन की शुरुआत है। तीतुस उन पुरुषों को चुनता है जिनमें निम्नलिखित विवरण होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे लोगों का चयन करें जो निर्दोष हैं"" या ""एक प्राचीन को निर्दोष होना चाहिए"" **निर्दोष होना** एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाना चाहिए जो बुरा काम नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक प्राचीन को दोष रहित होना चाहिए"" या ""एक प्राचीन की बुरी प्रतिष्ठा नहीं होनी चाहिए""

तीतुस 1:6 (#3)

"निर्दोष और"

"**निर्दोष होना** एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जो बुरे काम नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""बिना दोष के"" सकारात्मक रूप में यह भी कहा जा सकता है: ""एक व्यक्ति जिसकी अच्छी प्रतिष्ठा है""

देखें: दोहरे नकारात्मक

तीतुस 1:6 (#4)

"एक ही पत्नी का पति"

इसका मतलब है कि उसकी एक ही पत्नी होनी चाहिए, अर्थात उसकी और पत्नियाँ या रखैल नहीं होनी चाहिए। इसका अर्थ यह भी है कि उसको व्यभिचार नहीं करना चाहिए और उसने अपनी पूर्व पत्नी को तलाक न दिया हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जिसके पास सिर्फ एक ही स्त्री हो" या "वह जो अपनी पत्नी के प्रति विश्वासयोग्य हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

तीतुस 1:6 (#5)

"बच्चे विश्वासी हो"

सम्भावित अर्थ हैं 1) बच्चे जो यीशु में विश्वास करते हैं या 2) बच्चे जो विश्वासयोग्य हैं।

तीतुस 1:7 (#1)

"अध्यक्ष को"

यह आत्मिक नेतृत्व की उसी पदवी के लिए एक और नाम है जिसका उल्लेख पौलूस 1:5 "प्राचीन" के रूप में करता है। यह शब्द प्राचीन के कार्य पर केंद्रित है: वह कलीसिया की गतिविधियों और लोगों की देखरेख करता है।

तीतुस 1:7 (#2)

"परमेश्वर का भण्डारी"

पौलूस कलीसिया के बारे में इस तरह बताता है जैसे की वह परमेश्वर का घराना हो और अध्यक्ष उस घराने का प्रबन्धन करने के लिए नियुक्त किया गया एक सेवक हो।

देखें: रूपक

तीतुस 1:7 (#3)

"न पियक्कड़"

_ **पियक्कड़ न हो**_ या ***ऐसा न हो जो बहुत दाखमधु पीता हो***

तीतुस 1:7 (#4)

"न मार पीट करनेवाला, और"

मारपीट करनेवाला न हो या ***"ऐसा नहीं जो मारपीट पसन्द करता हो***

तीतुस 1:8 (#1)

"पर"

जुड़ने वाला शब्द ** बल्कि ** उन बातों के बीच एक विरोधाभास का परिचय देता है जो एक प्राचीन में नहीं होती है (जो कि पौलूस ने पहले ही बताया है) और एक प्राचीन में जो होना है (जो कि पौलूस बताने वाला है)।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

तीतुस 1:8 (#2)

"भलाई का चाहनेवाला"

जो भलाई का चाहनेवाला हो

तीतुस 1:8 (#3)

"संयमी," - "और जितेन्द्रिय हो"

ये दोनों शब्द अर्थ में बहुत समान हैं और अगर लक्ष्य भाषा में दो समान शब्द नहीं है तो एक शब्द से इसका अनुवाद किया जा सकता है।

देखें: युग्म

तीतुस 1:8 (#4)

"न्यायी, पवित्र"

ये दोनों शब्द अर्थ में बहुत समान हैं और अगर लक्ष्य भाषा में दो समान शब्द नहीं है तो एक शब्द से इसका अनुवाद किया जा सकता है।

देखें: युग्म

तीतुस 1:9 (#1)

"स्थिर रहे"

"पौलूस मसीही विश्वास के प्रति समर्पण की बात करता है जैसे कि यहविश्वास को हाथ से पकड़ा हुए हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसे समर्पित होना चाहिए"" या ""उसे अच्छी तरह से जानना चाहिए""

देखें: रूपक

तीतुस 1:9 (#2)

"वचन पर" - "के अनुसार है"

वो उन बातों से सहमत है जो हमने उसे सिखाई थीं

तीतुस 1:9 (#3)

"कि"

"जोड़ने वाले शब्द **कि** एक कारण-परिणाम संबंध का परिचय दें। इसका कारण (कि प्राचीन दूसरों की मदद कर सकते हैं) यह है कि प्राचीन भरोसेमंद संदेश को कसकर पकड़ लेते हैं, और इसका परिणाम यह होता है कि प्राचीन दूसरों को प्रोत्साहित करने और उनका विरोध करने वालों को फटकारने में सक्षम होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट है, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उल्टा कर सकते हैं, उन्हें कुछ इस तरह से जोड़ सकते हैं, ""क्योंकि""।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

तीतुस 1:9 (#4)

"यूनानी शब्द को ** खरी ** के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो सामान्य रूप से शारीरिक स्वास्थ्य को दर्शाता है।

तीतुस 1:10 (#2)

"खरी शिक्षा"

""ये विद्रोही लोग हैं जो सुसमाचार का पालन नहीं करते हैं। यहाँ **निरंकुश** तुच्छ का रूपक है, और ** निरंकुश बकवादी** वे लोग हैं जो बेकार या मूर्खतापूर्ण बातें करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो लोग आज्ञा मानने से इनकार करते हैं और जो बेकार की बातें कहते हैं""

तीतुस 1:10 (#3)

"धोखा देनेवाले"

"यह वाक्यांश उन लोगों का वर्णन करता है जो पौलूस द्वारा दिये जाने वाले सच्चे सुसमाचार के उपदेश के अलावा किसी अन्य उपदेश पर विश्वास करने के लिए सक्रिय रूप से लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे लोग जो दूसरों को उन चीजों पर विश्वास करने के लिए राजी करते हैं जो सच नहीं हैं"""

तीतुस 1:10 (#4)

"निरंकुश बकवादी और धोखा देनेवाले"

** निरंकुश बकवादी ** और **धोखा देनेवाले** दोनों एक ही लोगों को संदर्भित करते हैं। उन्होंने झूठी, सिखाई और चाहा की लोग उनपर विश्वास करे।

देखें: हेंडियाडिस

तीतुस 1:10 (#5)

"खतनावालों में से"

यह यहूदी मसीहियों को संदर्भित करता है जिन्होंने यह सिखाया कि मसीह के अनुयाई होने के लिए पुरुषों का खतना किया जाना जरूरी है। यह शिक्षा असत्य है।

देखें: प्रतिन्यास

तीतुस 1:11 (#1)

"इनका मुँह बन्द करना चाहिए"

इनको अपनी शिक्षाओं को फैलाने से रोका जाना चाहिए या ***"उनको अपने शब्दों के द्वारा दूसरों को प्रभावित करने से रोका जाना चाहिए"***

तीतुस 1:11 (#2)

"घर के घर बिगाड़ देते हैं"

वे पूरे परिवारों को बिगाड़ रहे हैं। मुद्दा यह था कि वे परिवारों को सच्चाई से दूर कर रहे थे और उनके विश्वास को नष्ट कर रहे थे।

तीतुस 1:11 (#4)

"नीच कमाई के लिये"

यह उस लाभ को संदर्भित करता है जो लोग उन चीजों को करके पाते हैं जो माननीय नहीं हैं।

तीतुस 1:12 (#1)

"उन्हीं में से एक जन ने जो उन्हीं का भविष्यद्वक्ता हैं," - **"है"**

एक ऐसा क्रेती जिसे वे स्वयं एक भविष्यद्वक्ता समझते हैं

तीतुस 1:12 (#2)

"क्रेती लोग सदा झूठे"

**_क्रेती लोग सदा झूठे हैं **। यह एक अतिशयोक्ति है जिसका अर्थ है कि क्रेती लोगों की प्रतिष्ठा झूठ बोलने वालों की थी।

देखें: अतिशयोक्ति

तीतुस 1:12 (#3)

"दुष्ट पशु"

"यह रूपक क्रेती लोगों की तुलना खतरनाक जंगली जानवरों से करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जंगली जानवरों जितना खतरनाक"""

देखें: रूपक

तीतुस 1:12 (#4)

"और आलसी पेटू होते हैं"

"शरीर का वह भाग जो भोजन को संग्रहीत करता है, उसका उपयोग उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाता है जो हर समय खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आलसी पेटू"""

देखें: संकेतन

तीतुस 1:13 (#1)

"इसलिए उन्हें कड़ाई से चेतावनी दिया कर," - **"वे"**

इस कारण जब तू क्रेती लोगों को सुधारें तो तुझे कठोर भाषा का उपयोग करना चाहिए जिसे क्रेती लोग समझ सकें।

तीतुस 1:13 (#2)

"इसलिए उन्हें" - "चेतावनी दिया कर"

जोड़ने वाले शब्द **इसलिए** एक कारण-परिणाम संबंध का परिचय देते हैं। कारण यह है कि क्रेते के भविष्यद्वक्ता ने अपने लोगों के बारे में जो कहा है वह सच है (वे झूठे, बुरे और आलसी हैं), और परिणाम यह है कि तीतुस को उन्हें गंभीर रूप से झिड़कना चाहिए।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

तीतुस 1:13 (#3)

"उन्हें"

यहाँ सर्वनाम **उन्हें** का अर्थ हो सकता है:

1. सामान्य रूप से क्रेते के विश्वासी। यह सम्भावित लगता है क्योंकि **गवाही** सभी क्रेते के लोगों के विषय में है, और वचन 14 कहता है कि उन्हें उन मनुष्यों की आज्ञाओं पर मन न लगाएँ "जो सत्य से भटक जाते हैं"। दूसरे शब्दों में, उन्हें झूठे शिक्षकों पर मन नहीं लगाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रेते विश्वासी"

2. क्रेते के झूठे शिक्षक। इस सन्दर्भ में, वचन 14 झूठे शिक्षकों को अन्य झूठे शिक्षकों पर मन न लगाने के लिये कह रहा होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "झूठे शिक्षक"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

तीतुस 1:13 (#3)

"कि" - "विश्वास में पक्के हो जाएँ"

"ध्यान दें ** खरी ** में [तीतुस 1: 9] (../01/09/pzi1) पर ध्यान दें। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसलिए उनका पक्का विश्वास होगा"" या "" ताकि उनका विश्वास सच्चा हो "" या ""ताकि वे केवल उस पर विश्वास करें जो परमेश्वर के बारे में जो सच है"""

तीतुस 1:13 (#4)

"जोड़ने वाले शब्द **कि** एक कारण-परिणाम संबंध का परिचय देता है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

तीतुस 1:13 (#5)

"कि"

""यहाँ भावात्मक संज्ञा **विश्वास** उन बातों का प्रतिनिधित्व करती है जो लोग परमेश्वर के बारे में मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे परमेश्वर के बारे में जो विश्वास करते हैं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

तीतुस 1:14 (#2)

"यहूदियों की कथा कहानियों"

यह यहूदियों की झूठी शिक्षा के सन्दर्भ में है।

तीतुस 1:14 (#3)

"जो सत्य से भटक जाते हैं"

पौलूस सत्य के बारे में इस तरह से बात करता है जैसे की वह कोई वस्तु हो जिससे कोई मुँह मोड़ ले या टाल दे। वैकल्पिक अनुवाद: "सत्य का छोड़ना"

देखें: रूपक

तीतुस 1:15 (#1)

"शुद्ध सब वस्तुएँ शुद्ध हैं"

यदि लोग अन्दर से शुद्ध हैं, तो जो कुछ भी वे करें वह शुद्ध होगा या _ **जब लोगों के पास केवल अच्छे विचार होते हैं, तो वे जो कुछ भी करते हैं वह परमेश्वर को नाराज नहीं करेगा**_

तीतुस 1:15 (#2)

"शुद्ध हैं"

वे लोग जो परमेश्वर के द्वारा स्वीकारयोग्य हैं

तीतुस 1:15 (#3)

"पर"

जोड़ने वाला शब्द **पर** उन लोगों के बीच एक विपरीतता का परिचय देता है जो शुद्ध हैं और जो लोग भ्रष्ट और अविश्वासी हैं।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

तीतुस 1:15 (#4)

"शुद्ध हैं," - "अशुद्ध और अविश्वासियों के लिये कुछ भी शुद्ध नहीं"

"पौलूस पापियों के बारे में इस तरह बात करता है जैसे मानों कि वे शारीरिक रूप से गंदे हों। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि लोग नैतिक रूप से अशुद्ध हैं और विश्वास नहीं करते तो वे कुछ भी शुद्ध नहीं कर सकते,"" या ""जब लोग पाप और अविश्वास से भरे होते हैं, तो वे जो कुछ भी करते हैं वह परमेश्वर को स्वीकार्य नहीं है"

देखें: रूपक

तीतुस 1:16 (#1)

"पर"

जोड़ने वाला शब्द **पर** इन भ्रष्टाचारी लोगों के बीच एक विपरीतता का परिचय देते हैं (वे परमेश्वर को जानते हैं) और उनके कार्यों से पता चलता है (वे परमेश्वर को नहीं जानते हैं)।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

तीतुस 1:16 (#2)

"पर अपने कामों से उसका इन्कार करते हैं"

जिस तरह से वे जीते हैं उससे सिद्ध होता है कि वे उसे नहीं जानते हैं

तीतुस - अध्याय 2 परिचय

पौलुस तीतुस को परमेश्वर के वचन का प्रचार करने का कारण बताते रहते हैं, और समझाते हैं कि वृद्ध पुरुषों, बूढ़ी स्त्रियों, जवान पुरुषों, और गुलामों या दासों को विश्वासियों के रूप में कैसे जीवन व्यतीत करना चाहिए।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

लिंग आधारित जिम्मेदारियाँ

विद्वानों के बीच इस विषय को इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ में समझने को लेकर मतभेद हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि पुरुष और स्त्रियाँ सभी मामलों में पूरी तरह से समान हैं। अन्य विद्वान मानते हैं कि परमेश्वर ने पुरुषों और स्त्रियों को विवाह और कलीसिया में विशिष्ट रूप से अलग भूमिकाओं में सेवा करने के लिए बनाया है। अनुवादकों को सावधान रहना चाहिए कि इस मुद्दे पर उनकी समझ इस गद्यांश के अनुवाद को प्रभावित न करे।

दासत्व

पौलुस इस अध्याय में यह नहीं लिखते कि दासत्व अच्छा है या बुरा; पौलुस दासों को यह सिखाते हैं कि वे अपने स्वामियों की विश्वासयोग्यता से सेवा करें। वह सभी विश्वासियों को यह सिखाते हैं कि वे हर परिस्थिति में धार्मिकता और सही तरीके से जीवन व्यतीत करें।

तीतुस 2:1 (#2)

"पर तू, ऐसी बातें कहा कर जो" - "के योग्य हैं"

"पौलूस परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में ऐसे बताता है जैसे कि वह कोई व्यक्ति हो जो दुसरे लोगों के पास जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर अब अपनी अनुग्रह दे रहा हैं""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

तीतुस 2:1 (#3)

"खरे सिद्धान्त"

"तीतुस 1:9 पर नोट देखें। वैकल्पिक अनुवाद: ""खरे सिद्धांत"" या ""सही शिक्षाओं के साथ"""

तीतुस 2:2 (#1)

"यूनानी में "आर" नहीं है पर केवल "वृद्ध पुरुषों को होना चाहिए"। हमें यहाँ एक क्रिया प्रदान करना चाहिए, पिछले पद के **सिखाना** से यह विचार मिलता है, जैसे की **शिक्षा देना** या **समझाना**

देखें: विराम बिंदु

तीतुस 2:2 (#2)

ये तीन शब्द अर्थ के बहुत करीब हैं और यदि लक्ष्य भाषा में तीन अलग-अलग शब्द नहीं हैं, तो उन्हें एक या दो शब्दों में जोड़ा जा सकता है।

देखें: युग्म

तीतुस 2:2 (#3)

शांत मन या ***आत्म नियंत्रित***

तीतुस 2:2 (#4)

अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करना

तीतुस 2:2 (#6)

** विश्वास में दृढ़** के बारे में तीतुस 1:13 पर ध्यान दें।

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

तीतुस 2:2 (#5)

यहाँ "दृढ़" शब्द का अर्थ स्थिर और संदेह-रहित होना है। भाववाचक संज्ञाओ "विश्वास," "प्रेम," और "धीरज" को क्रियाओं के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्हें परमेश्वर के सम्बन्ध में सच्ची शिक्षा पर दृढ़ता से विश्वास करना चाहिए, दूसरों को सच्चाई से प्रेम करना चाहिए, और परमेश्वर की सेवा निरंतर करनी चाहिए तब भी जबकि चीजें कठिन हों"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

तीतुस 2:2 (#7)

"प्रेम"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप भाववाचक संज्ञा **प्रेम** को क्रिया के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों से अच्छा प्रेम"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:2 (#8)

"और धीरज"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप भाववाचक संज्ञा **धीरज** को क्रिया के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हर परिस्थितियों में निरन्तर परमेश्वर की सेवा करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:3 (#1)

"अर्थात् वृद्ध पुरुष" - "हों"

""यूनानी में **होना** नहीं है, लेकिन केवल **इसी प्रकार बूढ़ी स्त्रियों** हैं। हमें पिछले दो वचनों से मौखिक विचार को जारी रखने की आवश्यकता है और इसे यहाँ लागू करें, जैसे कि **सिखाना** या **समझाना**। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसी तरह से, बूढ़ी स्त्रियों को सिखा या "बूढ़ी स्त्रियों को भी सिखा""

देखें: विराम बिंदु

तीतुस 2:3 (#3)

"पियक्कड़"

जो लोग स्वयं को नियंत्रित नहीं कर सकते और बहुत अधिक दाखरस पीते है उन्हें ऐसे बताया गया है जैसे कि वे दाखरस के गुलाम हों। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या दाखरस पीने की इच्छा के नियंत्रण में" या "दाखरस के आदी"

देखें: रूपक

तीतुस 2:3 (#4)

"पियक्कड़"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""या बहुत अधिक दाखरस पीना"" या ""या दाखरस का आदी""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 2:3 (#5)

"पर अच्छी बातें सिखानेवाली हों"

यहाँ प्रयुक्त यूनानी शब्द का अर्थ है ** _ अच्छी बातें सिखानेवाली हों_**। वाक्यांश **लेकिन** होने के लिए दो पूर्ववर्ती बुरे गुणों के साथ इस अच्छी गुणवत्ता के विपरीत अंग्रेजी में जोड़ा गया है। विचार करें कि क्या आपको अच्छे और बुरे गुणों के बीच एक विपरीत शब्द बनाने के लिए एक समान शब्द का उपयोग करने की आवश्यकता है।

तीतुस 2:4 (#1)

"ताकि"

यहाँ **ताकि** यह दर्शाता है कि वचन 3 में "अच्छी बातें सिखानेवाली" होने का उद्देश्य **जवान स्त्रियों** को शिक्षा देना है। निश्चित रूप से, जैसा कि वचन 3 में वर्णित है, भक्तियुक्त चाल चलन बूढ़ी स्त्रियों को अच्छी बातों का सिखानेवाली बनने में सहायता करता है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक का प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे जो आता है वह उद्देश्य है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 2:4 (#1)

"कि अपने पतियों"

वे अपने पतियों से प्रेम रखें

तीतुस 2:4 (#2)

"और बच्चों से प्रेम"

अपने बच्चों से प्रेम रखें

तीतुस 2:5 (#1)

"अपने-अपने पति के अधीन रहनेवाली हों"

और अपने-अपने पति के अधीन रहनेवाली हों

तीतुस 2:5 (#2)

"ताकि"

यहाँ **ताकि** वचन 4 और 5 में वर्णित अच्छे व्यवहार का लक्ष्य या उद्देश्य **परमेश्वर के वचन** की निन्दा न करना दर्शाता है।

यह अच्छा जीवन बिताने का एकमात्र उद्देश्य नहीं है, परन्तु यदि कलीसिया की जवान स्त्रियाँ इन बातों का पालन न करें, तो लोग परमेश्वर के सन्देश को व्यर्थ समझेंगे। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक का प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि आगे जो आता है वह पहले कही गई बात का एक उद्देश्य है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 2:5 (#3)

"ताकि परमेश्वर के वचन की निन्दा न होने पाए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि कोई भी परमेश्वर के वचन का अपमान करने न पाए" या "ताकि कोई भी परमेश्वर का अपमान उनके सन्देश के विषय में बुरी बातें कहकर करने न पाए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 2:5 (#2)

"ताकि परमेश्वर के वचन की निन्दा न होने पाए"

यहाँ **वचन** "संदेश" का पर्याय है, जो वास्तव में परमेश्वर का पर्याय है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि कोई भी परमेश्वर के वचन का निरादर न करे" या "ताकि कोई भी उसके संदेश के बारे में बुरी बातें बोलने के द्वारा परमेश्वर का निरादर न करे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 2:6 (#1)

"ऐसे ही"

तीतुस को वृद्ध लोगों की तरह ही जवान पुरुषों को भी प्रशिक्षित करना था।

तीतुस 2:7 (#1)

"सब बातों में"

सम्भव है कि यह वाक्यांश वर्तमान वाक्य का भाग न होकर पिछले वाक्य का भाग हो। यदि आपके क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली बाइबल इस वाक्यांश का उपयोग पिछले वाक्य को

समाप्त करने के लिये करती है, तो आप भी ऐसा कर सकते हैं।

तीतुस 2:7 (#1)

"अपने आप को" - "बना"

_ **अपने आपको बना**_ या ***स्वयं होना***

तीतुस 2:7 (#2)

"भले कामों का नमूना"

एक ऐसे व्यक्ति का उदाहरण जो सही और उचित कार्य करता हो

तीतुस 2:7 (#4)

"उपदेश में सफाई, गम्भीरता"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे उपदेश में अपने आपको सफाई और गम्भीरता के साथ प्रस्तुत कर"

देखें: पदलोप

तीतुस 2:7 (#5)

"उपदेश में सफाई, गम्भीरता"

यदि आपकी भाषा में **सफाई** और **गम्भीरता** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उपदेश में, सच्चे और गम्भीर बनें" या "उपदेश में, ईमानदार और गम्भीर हो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:7 (#6)

"सफाई (भ्रस्टाचार रहित)"

मूल भाषा में यहाँ "**भ्रस्टाचार रहित**" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "सफाई"

शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक सकारात्मकता को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक शब्द का अनुवाद करने के लिये एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक शब्द **भ्रस्टाचार** और नकारात्मक प्रत्यय **रहित** शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "ईमानदारी" या "निष्ठा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

तीतुस 2:8 (#1)

"इस शब्द का वही मूल अर्थ है जो 2:7 में **बुरा न** है। 2:7 में, पौलूस का अर्थ नकारात्मक रूप से बताया गया है: **बुरा न**, अर्थ, **बिना कोई दोष के**, और 2:8 में वह सकारात्मक अर्थ बताता है: **खराई, संपूर्ण **, अर्थ **सही**।

देखें: युग्म

तीतुस 2:8 (#2)

"जिससे"

"यहाँ **जिससे** यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है वह पहले कही गई बात का उद्देश्य है। खराई से भरा सन्देश किसी भी विरोधी को ऐसे सन्देश का विरोध करने पर लज्जित करेगा। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक का प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि इसके बाद जो आता है वह पहले कही गई बात का उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि" या ""इस तरह से कि"""

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 2:8 (#2)

यहाँ एक काल्पनिक परिस्थिति प्रस्तुत की गई है जिसमें कोई तीतुस का विरोध करता है और फिर ऐसा करने के कारण शर्मिंदगी महसूस करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अतः यदि कोई तुम्हारा विरोध करता है, तो वह शर्मिंदा हो" या "ताकि जब लोग आपका विरोध करें तो वे शर्मिंदा हों"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

तीतुस 2:8 (#3)

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 2:9 (#1)

"और ऐसी खराई पाई जाए"

""यूनानी भाषा में **आर** का प्रयोग नहीं होता, पर केवल **दासों को अपने स्वामियों के अधीन रहना चाहिए**। हमें पद 6 से मौखिक विचार को यहाँ लागू करने की आवश्यकता है, जो **आग्रह करना** या **समझाया** है। वैकल्पिक अनुवाद: ""दासों को समझाओ की अपने स्वामियों के अधीन रहें"

देखें: विराम बिंदु

तीतुस 2:9 (#4)

"सब बातों में"

_सब बातों में _ या ***हमेशा***

तीतुस 2:9 (#5)

"उन्हें प्रसन्न रखें"

अपने स्वामियों को प्रसन्न रखें या ***"अपने स्वामियों को संतुष्ट करना"***

तीतुस 2:10 (#1)

"चोरी चालाकी न करें"

_उनके स्वामियों से चोरी नहीं करना _

तीतुस 2:10 (#2)

"पर"

यहाँ **पर** शब्द चोरी चालाकी करने और अच्छे विश्वासी निकलने के बीच एक गहरा विरोधाभास प्रस्तुत करता है। अपने अनुवाद में, इस गहरे विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत करें। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

तीतुस 2:10 (#2)

"सब प्रकार से पूरे विश्वासी निकलें"

यह दिखाना कि वे अपने स्वामी के भरोसे के योग्य हैं

तीतुस 2:10 (#4)

"कि"

यहाँ, '**कि**' दासों के अपने स्वामियों के साथ **सब प्रकार से पूरे विश्वासी निकलकर परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ाने** के उद्देश्य या लक्ष्य को दर्शाता है। अपनी भाषा में एक ऐसे संयोजक का प्रयोग करें जो स्पष्ट करे कि यह एक उद्देश्य है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 2:10 (#3)

"वे सब बातों में"

_ उस सब में जो वे करते हैं _

तीतुस 2:10 (#4)

"हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ा दें"

वे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के बारे में शिक्षण आकर्षक बना सकते हैं या **_ वे लोगों को यह समझने का कारण बन सकते हैं कि परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता के बारे में शिक्षण अच्छा है_**

तीतुस 2:10 (#6)

"हमारे"

यहाँ **हमारा** शब्द पौलूस, तीतुस और सभी मसीहियों को शामिल करता है

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

तीतुस 2:11 (#1)

"क्योंकि"

वह शब्द जिसका अनुवाद **क्योंकि** किया गया है, यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में ऐसा संयोजक का प्रयोग करें जो यह स्पष्ट करे कि आगे जो आएगा, वह पहले कही गई बात का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें यह करना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

तीतुस 2:11 (#2)

"परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है"

"पौलूस परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में ऐसे बताता है जैसे कि वह कोई व्यक्ति हो जो दुसरे लोगों के पास जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर अब अपनी अनुग्रह दे रहा हैं""

देखें: व्यक्तित्व

तीतुस 2:11 (#3)

"क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने अत्यन्त दयालु होकर सब मनुष्यों के उद्धार का मार्ग निकाला है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:11 (#4)

"सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है"

यहाँ **उद्धार** शब्द परमेश्वर के **अनुग्रह** का वर्णन करता है, जिसका अर्थ है कि वह ऐसा है जैसे किसी व्यक्ति में लोगों को बचाने की विशेषता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "सब मनुष्यों को बचाने में सक्षम है" या "सब मनुष्यों को बचाने के लिये कार्यरत है" या "सब मनुष्यों के उद्धार के लिये है"

देखें: मानवीकरण

तीतुस 2:11 (#5)

"सब मनुष्यों (पुरुषों) में"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुषों" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "मनुष्यों" शब्द लिंग-निरपेक्ष के रूप में उपयोग किया गया है। यद्यपि **पुरुषों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब लोगों में"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

तीतुस 2:12 (#1)

"और हमें चिताता है"

पौलूस परमेश्वर के अनुग्रह (2:11) के बारे में ऐसे बताता है जैसे कि वह कोई व्यक्ति हो जो दुसरे लोगों के पास जाकर उन्हें पवित्र जीवन जीने का प्रशिक्षण देता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके द्वारा परमेश्वर हमें प्रशिक्षित करता है"

देखें: व्यक्तित्व

तीतुस 2:12 (#2)

"हमें"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

तीतुस 2:12 (#3)

"हम अभक्ति"

परमेश्वर का अनादर करने वाली बातें

तीतुस 2:12 (#4)

"सांसारिक अभिलाषाओं"

इस संसार की वस्तुओं के लिए तीव्र इक्छाएँया ***"पापमय आनंद के लिए तीव्र इच्छाएँ"***

तीतुस 2:12 (#5)

"हम अभक्ति" - "भक्ति से"

ये शब्द क्रमशः विपरीत हैं, जिसका अर्थ है **परमेश्वर-अपमान** और परमेश्वर-सम्मान**, क्रमशः।

तीतुस 2:12 (#6)

"इस युग में"

जब हम इस संसार में रहते हैंया ***इस समय में***

तीतुस 2:13 (#1)

"प्रतीक्षा करते रहें"

हम स्वागत करने की प्रतीक्षा करते हैं

तीतुस 2:13 (#2)

"और उस धन्य आशा की"

"यहाँ, **धन्य ** वह है जो यीशु मसीह की वापसी की आशा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह अद्भुत चीज़ जिसके लिए हम आशा करते हैं""

देखें: प्रतिन्यास

तीतुस 2:13 (#3)

"उस धन्य आशा ... और ... महिमा के प्रगट होने"

यदि आपकी भाषा में **आशा** और **महिमा** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस धन्य और महिमामय प्रकटन, जिसकी हम प्रतीक्षा कर रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:13 (#3)

"अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की"

"यहाँ ""महिमा"" स्वयं यीशु को दर्शाती है जो महिमामय रूप से प्रगट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस अच्छी बात की हम प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का, महिमामय प्रगटीकरण है"

देखें: प्रतिन्यास

तीतुस 2:13 (#5)

"अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह"

"**अपने महान परमेश्वर** और **उद्धारकर्ता** दोनों एक ही व्यक्ति, यीशु मसीह का उल्लेख करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु मसीह, हमारा महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता""

देखें: हेंडियाडिस

तीतुस 2:14 (#1)

"अपने आप को हमारे लिये दे दिया"

यह यीशु के स्वेच्छा से मर जाने के सन्दर्भ में है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को हमारे लिए मृत्यु को दिया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

तीतुस 2:14 (#2)

"हमारे लिये"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 2:14 (#3)

"हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले"

पौलूस यीशु के बारे में इस प्रकार बताता है मानों वह दासों को उनके दुष्ट स्वामियों से आजाद कर रहा हो।

देखें: रूपक

तीतुस 2:14 (#4)

"हमें"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 2:14 (#5)

"एक ऐसी जाति"

ऐसे लोगों का समूह जिन्हें वह कीमती समझता हो।

तीतुस 2:14 (#6)

"सरगर्म हो"

जो करने के लिए उत्सुक हैं

तीतुस 2:15 (#1)

"ये बातें"

यहाँ **ये बातें** पौलुस द्वारा अध्याय दो में कही गई सभी बातों की ओर संकेत करती हैं। इन बातों को सन्दर्भित करने के लिये अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इन सब के विषय में"

देखें: सर्वनाम

तीतुस 2:15 (#1)

"समझा"

उन्हें ये काम करने के लिए प्रोत्साहित करें

तीतुस 2:15 (#2)

"पूरे अधिकार के साथ" - "सिखाता रह"

इस कथन को सुस्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग इन कामों को नहीं करते उन्हें पूरे अधिकार के अनुसार सुधारना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

तीतुस 2:15 (#4)

"पूरे अधिकार के साथ"

यदि आपकी भाषा में **अधिकार** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके अध्यक्ष के रूप में अपने उचित पद से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 2:15 (#3)

"कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए"

_ कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए_

तीतुस 2:15 (#4)

"कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए"

"इसे सकारात्मक रूप से कहा जा सकता है: ""सुनिश्चित कर कि हर कोई तेरी बात सुनें""

देखें: दोहरे नकारात्मक

तीतुस 2:15 (#5)

"तुझे तुच्छ" - "जानने पाए"

इस कथन को सुस्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे वचन को सुनने से इंकार करते हैं" या "तेरा आदर करने से इंकार करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

तीतुस - अध्याय 3 परिचय

संरचना और संरूपण

इस अध्याय में, पौलुस तीतुस को निर्देश देते हैं कि क्रेते में उनकी देखभाल में प्राचीनों और लोगों को कैसे शिक्षा देनी है।

पद 1–7 में पौलुस यह समझाते हैं कि कैसे परमेश्वर की दया से पवित्र आत्मा हमारे जीवन को नया बनाते हैं और हमें एक नए तरीके से जीने के लिए प्रेरित करते हैं।

पद 8–11 में पौलुस यह समझाते हैं कि तीतुस को किन बातों से बचना चाहिए और उन लोगों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए जो विश्वासियों के बीच विवाद उत्पन्न करते हैं।

पद 12–15 में, पौलुस तीतुस को यह बताते हुए पत्र को समाप्त करते हैं कि क्रेते में प्राचीनों की नियुक्ति के बाद उन्हें

क्या करना चाहिए और पौलुस के साथ जो लोग थे उनकी ओर से अभिवादन भेजते हैं।

पद 15 औपचारिक रूप से इस पत्र का समापन करता है। प्राचीन पश्चिमी एशिया में पत्र समाप्त करने का यह एक सामान्य तरीका था।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

वंशावलियाँ

वंशावलियाँ (पद 9) उन सूचियों को कहते हैं जो किसी व्यक्ति के पूर्वजों या वंशजों को दर्ज करती हैं और दिखाती हैं कि वह व्यक्ति किस गोत्र और परिवार से आया है। उदाहरण के लिए, याजक, लेवी के गोत्र और हारून के परिवार से आते थे। इनमें से कुछ सूचियों में पूर्वजों की कहानियाँ और यहाँ तक कि आत्मिक प्राणियों की कहानियाँ भी शामिल होती थीं। इन सूचियों और कहानियों का उपयोग यह तर्क करने के लिए किया जाता था कि चीजें कहाँ से आईं और विभिन्न लोग कितने महत्वपूर्ण थे।

तीतुस 3:1 (#2)

"लोगों को सुधि दिला, कि" - "के अधीन रहें"

अपने लोगों को फिर से वह बता जो वे पहले से जानते हैं, कि वे अधीन रहें या ***उन्हें अधीन रहने के बारे में याद दिलाता रह***

तीतुस 3:1 (#3)

"हाकिमों अधिकारियों के अधीन रहें, उनकी आज्ञा मानें"

जैसा राजनैतिक शासक और सरकारी अधिकारी कहते हैं उनकी आज्ञा मानते हुए वैसा ही कर

तीतुस 3:1 (#4)

"हाकिमों अधिकारियों"

इन शब्दों के एक जैसे अर्थ हैं और उन सबको सम्मिलित करने के लिए उपयोग हुए हैं जो सरकार में अधिकार रखते हैं। यदि लक्ष्य भाषा में इसके लिए केवल एक शब्द है, तो बस उस शब्द का उपयोग करें

देखें: युग्म

तीतुस 3:1 (#6)

"और हर एक अच्छे काम के लिये तैयार रहे"

जब कभी भी अवसर मिले अच्छे काम के लिये तैयार रहे

तीतुस 3:2 (#1)

"बदनाम" - "करें"

बुराई की बात करने के लिए

तीतुस 3:2 (#2)

"झगड़ालू न (असन्तोषपूर्ण) हों"

मूल भाषा में यहाँ "असन्तोषपूर्ण" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "झगड़ालू" शब्द का उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिये एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक उपसर्ग **अ** और नकारात्मक शब्द **सन्तोषपूर्ण** शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शान्त स्वभाव के हों"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

तीतुस 3:2 (#3)

"बड़ी नम्रता के साथ रहें"

यदि आपकी भाषा में **नम्रता** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमेशा नम्र बने रहें" या "हमेशा विचारशील बने रहें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 3:2 (#4)

"सब मनुष्यों (पुरुषों) के साथ"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुषों" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "मनुष्यों" शब्द का उपयोग लिंग-निरपेक्ष के रूप में किया गया है। यद्यपि **पुरुषों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में

यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब के प्रति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

तीतुस 3:3 (#1)

"क्योंकि हम भी पहले," - "हुए"

ऐसा इसलिए कि हम भी पहले ऐसे ही थे

तीतुस 3:3 (#2)

"पहले"

पूर्व मेंया ***किसी समय***या ***पहले***

तीतुस 3:3 (#3)

"***यहाँ तक कि हम***या**_हम स्वयं।

देखें:

तीतुस 3:3 (#4)

निर्बुद्धि थेया ***"अज्ञानी थे"***

तीतुस 3:3 (#5)

"हम"

""वासना और अभिलाषाओं को ऐसे बताया गया है जैसे कि वे लोगों के स्वामी हों तथा झूठ बोलकर उन लोगों को अपना गुलाम बना लिया हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमने स्वयं को इस झूठ पर विश्वास करने की अनुमति दी थी कि विभिन्न अभिलाषा और सुख हमें खुश कर सकते हैं, और फिर हम अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने या उन चीजों को रोकने में असमर्थ थे जो हमने सोचा था कि हमें खुशी देगा""

देखें: व्यक्तित्व

तीतुस 3:3 (#6)

"और भ्रम में पड़े" - "विभिन्न प्रकार की अभिलाषाओं और सुख-विलास के दासत्व में थे"

"इसका अनुवाद सक्रीय रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""विभिन्न अभिलाशा और सुख ने हमसे झूठ बोला था और इसलिए हमें भटका दिया""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 3:3 (#7)

"अभिलाषाओं"

वासनाएँया **_इच्छाएँ _**

तीतुस 3:3 (#8)

"बैर-भाव, और डाह करने में जीवन निर्वाह करते थे," - "और"

यहाँ **बुराई** और **ईर्ष्या** पाप का वर्णन करते हैं। **बुराई** सामान्य है और **ईर्ष्या** एक विशिष्ट प्रकार का पाप है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम हमेशा से बुरे काम कर रहे थे और जो दूसरों के पास है उसकी चाहत कर रहे थे"

देखें: हेंडियाडिस

तीतुस 3:3 (#9)

"और घृणित थे"

_दूसरों को हमसे घृणा करवाया _

तीतुस 3:4 (#1)

"पर"

लोगों के बुरे तरीके (पद 1–3) और परमेश्वर की अच्छाई (पद 4–7) के बीच विपरीत को चिह्नित करना महत्वपूर्ण है

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

तीतुस 3:4 (#2)

"जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई, और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रकट हुआ"

"पौलूस परमेश्वर की दया और प्रेम के बारे में इस तरह बात करता है जैसे कि वे लोग हों जो दृष्टि में आए हों। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता ने हमें अपनी दया और लोगों के लिए प्रेम दिखाया""

देखें: व्यक्तित्व

तीतुस 3:4 (#3)

"जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई, और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रकट हुआ"

"भाववाचक संज्ञा **दया** और **प्रेम** को विशेषण के रूप में दिखाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर, जो हमें बचाता है, उसने दिखाया कि वह मानव जाति के प्रति कितना दयालु और प्रेमपूर्ण रहेगा""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

तीतुस 3:4 (#4)

"हमारे"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 3:5 (#1)

"धार्मिक (धार्मिकता के) कामों"

मूल भाषा में यहाँ "धार्मिकता" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक भाववाचक संज्ञा है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "धार्मिक" शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक विशेषण को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता के कार्यों" या "भले कामों"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 3:5 (#1)

"अपनी दया के अनुसार"

क्योंकि उसने हम पर दया की

तीतुस 3:5 (#2)

"जन्म के स्नान"

पौलूस यहाँ दो रूपकों को जोड़ता है।वह पापियों के लिए परमेश्वर की क्षमा के बारे में इस तरह बात कर रहा है जैसे कि मानों वह उन्हें शारीरिक रूप से धो रहा हो। जो परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी होते है वह उन पापियों के बारे में भी इस तरह बात करता है जैसे कि मानों वे नया जन्म पाए हों।

देखें: रूपक

तीतुस 3:6 (#1)

"जिसे उसने" - "हम पर अधिकाई से उण्डेला"

नए नियम के लेखकों में यह एक सामान्य बात थी कि वे पवित्र-आत्मा को एक तरल के रूप में बताते हैं जिसे परमेश्वर अत्यधिक मात्रा में उंडेल सके। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने हमें उदारता से दे दिया"

देखें: रूपक

तीतुस 3:6 (#2)

"हम"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 3:6 (#3)

"हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा"

जब यीशु ने हमें बचाया

तीतुस 3:6 (#4)

"हमारे"

इसमें पौलूस, तीतुस और सभी मसीही शामिल हैं।

देखें:

तीतुस 3:7 (#1)

"जिससे"

यहाँ **जिससे अनन्त जीवन के वारिस** बनने को दर्शाता है, जो परमेश्वर द्वारा हमें पवित्र आत्मा देने का लक्ष्य या उद्देश्य है

(पद 6)। अपनी भाषा में एक संयोजक का उपयोग करें जो यह स्पष्ट करता है कि यही उद्देश्य है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 3:7 (#1)

"धर्मी ठहरकर"

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने हमें पाप रहित घोषित कर दिया है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

तीतुस 3:7 (#3)

"उसके अनुग्रह से"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके अनुग्रहकारी भेंट से" या "जो उन्होंने हमारे लिये सेंत मेंत रूप से किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

तीतुस 3:7 (#4)

"उसके"

यहाँ **उसके** वचन 6 में "हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह" की ओर पुनः सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यहाँ उस नाम को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु के"

देखें: सर्वनाम

तीतुस 3:7 (#2)

"अनन्त जीवन की आशा के अनुसार वारिस बनें"

"जिन लोगों से परमेश्वर ने वायदे किये थे उनके बारे में ऐसे कहा गया है जैसे कि मानों उन्हें अपने परिवार के सदस्यों से सम्पत्ति और धन विरासत में प्राप्त करना हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम उस अनन्त जीवन को प्राप्त करने की अपेक्षा कर सकते हैं जिसका परमेश्वर ने हमसे वादा किया है""

देखें: रूपक

तीतुस 3:8 (#1)

"यह बात"

यह संदेश केवल पद 4–7 में व्यक्त किया गया है, कि परमेश्वर स्वतंत्र रूप से यीशु के माध्यम से विश्वासियों को पवित्र-आत्मा और अनन्त जीवन प्रदान करता है।

तीतुस 3:8 (#2)

"इन"

"यह उन उपदेशों को संदर्भित करता है जो पौलुस ने पद 1–7 में बात की है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ये शिक्षाएँ जिनके बारे में मैंने अभी बात की है"""

तीतुस 3:8 (#3)

"वे भले-भले कामों में लगे रहने का ध्यान रखें"

भले-भले कामों को करने की खोज में रहना

तीतुस 3:8 (#4)

"मनुष्यों (पुरुषों) के"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुषों" शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "मनुष्यों" शब्द का उपयोग लिंग-निरपेक्ष के रूप में किया गया। यद्यपि **पुरुषों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब लोगों के लाभ की हैं"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

तीतुस 3:9 (#2)

"पर मूर्खता के" - "बचा"

_ पर बचा रह_ या ***"इसलिए, टाल दे"***

तीतुस 3:9 (#3)

"पर मूर्खता के विवादों"

महत्वहीन मुद्दों पर तर्क-वितर्क

तीतुस 3:9 (#4)

"वंशावलियों"

यह परिवार और सम्बन्धियों के रिश्तों का अध्ययन है। तीतुस का परिचय देखें।

तीतुस 3:9 (#5)

"बैर विरोध"

वाद-विवाद या झगडे

तीतुस 3:9 (#6)

"जो व्यवस्था के विषय में हों"

मूसा की व्यवस्था के बारे में

तीतुस 3:10 (#1)

"किसी पाखण्डी को" - "उससे अलग रह"

ऐसे व्यक्ति से दूर रहें जो फूट का कारण बनता है

तीतुस 3:10 (#2)

"एक दो बार समझा बुझाकर"

_उस व्यक्ति को एक या दो बार चेतावनी देने के बाद_

तीतुस 3:11 (#1)

"ऐसा मनुष्य"

इस तरह का कोई व्यक्ति

तीतुस 3:11 (#2)

"भटक गया है"

पौलूस गलतियाँ करने वाले व्यक्ति के बारे में इस तरह बात करता है जैसे कि वह उस मार्ग को छोड़ रहा हो जिसपर की वह चल रहा था।

देखें: रूपक

तीतुस 3:11 (#3)

"अपने आप को दोषी ठहराकर" - "है"

स्वयं पर दण्ड लाता है

तीतुस 3:12 (#2)

"जब मैं" - "भेजूँ"

जब मैं भेजूँ उसके बाद

तीतुस 3:12 (#3)

"अरतिमास" - "तुखिकुस"

ये पुरुषों के नाम हैं

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

तीतुस 3:12 (#4)

"आने" - "यत्न करना"

जल्द आ

तीतुस 3:12 (#5)

"यत्न करना"

यह क्रिया एकवचन है, जिसे केवल तीतुस पर निर्देशित किया गया है। अरतिमास या तुखिकुस, क्रेते में रहेगा, शायद तीतुस की जगह लेने के लिए।

तीतुस 3:13 (#1)

"यत्न करके आगे पहुँचा दे"

यहाँ इन मनुष्यों को **यत्न करके आगे पहुँचाने** का तात्पर्य उन्हें सहायता करना और उन्हें सुसज्जित करना है। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मार्ग के लिये भोजनवस्तु दे दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

तीतुस 3:13 (#1)

"जेनास" - "अपुल्लोस को"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

तीतुस 3:13 (#2)

"और अपुल्लोस को"

_और अपुल्लोस को भी _

तीतुस 3:13 (#4)

"कि उन्हें किसी वस्तु की घटी न होने पाए"

यहाँ **कि** यह दर्शाता है कि तीतुस को इन लोगों को किस प्रकार आगे पहुँचाना है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार से कि उन्हें किसी भी वस्तु की घटी न होने पाए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

तीतुस 3:13 (#4)

"और देख, कि उन्हें घटी न होने पाए"

"इसे सकारात्मक रूप से कहा जा सकता है: ""ताकि उनके पास वह सब कुछ हो जो उन्हें चाहिए""

देखें: दोहरे नकारात्मक

तीतुस 3:14 (#2)

"हमारे"

"पौलूस क्रेते में पाए जाने वाले विश्वासियों का उल्लेख कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे अपने लोग"""

तीतुस 3:14 (#3)

"हमारे"

यहाँ **हमारे** में पौलूस और तीतुस शामिल हैं। शैली या तो दोहरी या समावेशी होनी चाहिए।

देखें:

तीतुस 3:14 (#4)

"आवश्यकताओं को पूरा करने" - "में लगे रहना"

कि उन्हें मदद करने में सक्षम हों जिन्हें महत्वपूर्ण वस्तुओं की तुरंत आवश्यकता है

तीतुस 3:14 (#5)

"ताकि निष्फल न रहें"

"जो लोग अच्छे कार्य करते हैं पौलूस उन लोगों के बारे में ऐसे बात करता है जैसे कि मानों वे उन पेड़ों की तरह हैं जो अच्छे फल लाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""ताकि वे व्यर्थ जीवन न जीएँ""

देखें: रूपक

तीतुस 3:14 (#6)

"ताकि निष्फल न रहें"

"यह सकारात्मक रूप से कहा जा सकता है: ""इस तरह से, वे फलदायी होंगे"" या "" इस तरह वे भले कार्य करेंगे""

देखें: दोहरे नकारात्मक

तीतुस 3:15 (#2)

"तुझे नमस्कार"

यहाँ ** तुझे ** एकवचन हैं- यह तीतुस को एक निजी अभिवादन है।

तीतुस 3:15 (#3)

"मेरे सब"

वे सभी लोग जो मेरे साथ हैंया ***वे सभी विश्वासी जो मेरे साथ यहाँ हैं***

तीतुस 3:15 (#4)

"विश्वास के कारण हम से प्रेम रखते हैं"

सम्भावित अर्थ हैं 1) ***विश्वासी जो हमसे प्रेम करते हैं***या 2) ***वो विश्वासी जो हमसे इसलिए प्रेम करते हैं क्योंकि हमारा विश्वास एक में ही है।***

तीतुस 3:15 (#5)

"हम से प्रेम रखते हैं"

यहाँ **हम** संभवतः अनन्य है और पौलूस और मसीही समूह को जो उसके साथ है, उनको संदर्भित करता है। पौलूस इस समूह से उस मसीही समूह को शुभकामनाएँ भेज रहा है जो क्रेते में तीतुस के साथ हैं।

देखें:

तीतुस 3:15 (#6)

"तुम सब पर अनुग्रह होता रहे"

यह एक सामान्य मसीही अभिवादन था। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का अनुग्रह तुम्हारे साथ रहे" या "मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर आप सबके प्रति अनुग्रहकारी रहे"

तीतुस 3:15 (#7)

"तुम"

यहाँ **तुम** बहुवचन है। यह आशीष तीतुस और क्रेते के सभी विश्वासियों के लिए है।